



[illegible]

किं प्रीतिश्च साधू काव्य निधवर्ण ॥ अथ यद्यत्र ॥ नवतर्दुर्लभं लोकवि
 श्रामयतदुर्लभं । कवित्वदुर्लभं गणकिरुपसुदुर्लभं ॥ दिवर्गसाधननाथ
 सर्वदृष्टवायनादकं । नाथसोखात्यर्जनरु सुखं उगतिविश्रम ॥
 रुचयप्रभु ॥ ॐ ताश्चिर्वीसुखीकिश्चि नलोकविश्रमकविगु । सुखाययगस
 धीदे मर्मनिघयकागर्न ॥ नगच्छुर्मनगच्छित्यं नसाविश्रानेनाकला ॥ नगच्छ
 ननवाथा ॥ गानाठकयन्नदृष्ट्यग ॥ ॥ गणदीमङ्गलायवर्णगीर्ण ॥ मालव
 लीला ॥ प्र ॥ रुवहिरुवानिहिरुलवठदन्द कोशलकोयुककवलकगच्छुद ॥

लङ्गलङ्ग अम्वरुवरुविलल गखनरुवानीदरुदिगादव ॥ रुसिकरुदखि
 कगङ्गनहिकडा थाविनरुवताददवकदडा ॥ गांगवाँदरुगिसाखीमायव
 वूमलगाहहियप्रम्वनवाय ॥ गखनवाल्थिरुवलीजनूवाज वामावाल्
 दाडिरुकीकाज ॥ ॐ गगाविकाहलविलास नृयजगज्जातिकरुयूवावथग्रा
 स ॥ ॥ अथसयकालानुसावर्णगीर्णानिलिखुर्न ॥ गगगवन्दनालीला ॥
 कावाव ॥ जगि ॥ गणयतिमनगुनिरुजिलावर्ण सुचमूनिजगजनगुमाव
 सवर्ण ॥ कयालङ्गलमध्वरुमवसूसाह गजाननयुगु मीलिदुवनभा

४ ज ॥ अतोदेषुनहिसाखीमान न ॥ अथिकसमूविगयथविधान ॥ एगसूनिहवकिहवालहिनजा ॥ लाजावक

मयलजसनदखाय ॥

ह ॥ मादक अंकुशायाऽजयमालाकव विधिनिहवणमुमिदहामाकवव ॥ नृ
 यजगजातिकह एहि अनुमान वागकावावगां लो एहि अतिमान ॥ १ ॥ ॥
 युनर्जलमसुगिनवात्री ॥ कावाव ॥ य ॥ मरुगनन्दनगाहगलण दूवकवमा
 वरुवकलंग ॥ गाहववणकनहिसव सविचकनहिवकदव ॥ गाह व
 सनूयकहिनजाय जकवनिगम अकनयाय ॥ नृयजगजाति एहनगावशा
 दिअवाधिश्रुताहवभाव ॥ २ ॥ ॥ सूर्यविन्दनागोश ॥ गारुगिनि ॥ ३ ॥
 माहगमयस्विमाकडयजगवास गयानकिबलावविकवयवकाण ॥ स

मनुजमलजाय अरुनिगिराण ववणकमलगावमनभाव लाण ॥ वृधजन
 जयनतिकव एविकाल कवृणानिधानमुमिकवायगियाल ॥ नृयजगजाति
 कहु एहिमायाजाल वागगाणगिनिनामगावणकगाल ॥ ३ ॥ ॥ युनर्ज
 यमसुगिनवात्री ॥ कोणिक ॥ ४ ॥ तिमिवमलिनजगकिबलाहिवधाय दिनकव
 डदितमूदितसवहाय ॥ सजनकमलजगहा असानन्द यायददयकेवव
 कूलदन्द ॥ एहनदिवाकवकनहिसव अरुनिगनामददयकसुलव ॥ नृय
 जगजातिरुनमन अवाधिव गाहगिवदायकदविकविदावि ॥ ४ ॥ ॥

॥ कृष्णवन्दना गीता ॥ यह छिया ॥ ० कताल ॥ की मुरु रुह्य षण्य रुह्य षण्य कि
आन गवूठवाहन रुह्य आन रुह्य जान ॥ लखिमी वमण गुमिधन कि वाकाई
वाणी वनागवका कुरु ॥ तलाई ॥ जलद सुंदर वन मलिमय हाथ नि
मुल समुल हेया सकल संगाय ॥ नृय जगजातिक रुह्य गुमिधन माली वागय
रुह्य पहागाथ ० कताली ॥ ३ ॥ ॥ यून रुह्य सुतिन वायी ॥ यह छि
या ॥ धन ॥ कवल यवण अमि अ समगान गवन रुह्य की मानि निमान ॥
ताहि डय वयुन यन मवड दग खवि आऊक माव अून ॥ अयका कुरु अ

वका कुरु रुह्य अविवावि की रुल यडाव रुह्य अवलामावि ॥ नृय जगजाति मलद
विमुल गाव रुह्य यदय कऊ सवहि साहाव ॥ ३ ॥ ॥ रुह्य वन्दना गीता ॥
मालव ॥ असावा ॥ विरुति रुह्य षण्य रुह्य षण्य मय हाथ ववमव सन गिय सूव
सविधाव ॥ तिलक अमि अ कवग वल अहाव मदन दहन रुह्य वस साव क
साव ॥ लिपुल रुमव कवव सहय यान गुमाव सवय गिव कडान रुह्य जान ॥
कुरु नृय जगजाति सुन गालि रुल वागमालव गाव पहा अ ० गाल ॥ ॥ ॥
यून रुह्य सुतिन वायी ॥ श्री ॥ धा ॥ यवन रुह्य सवय रुह्य विवय वव लिपुवन

यतितादृशवा. माहिसवाला ॥ कडानयनअयवववयतयसी वउवसी ॥
 ॥ कुर्व ॥ रुसमआंगदवमगा नवासकव यवकदिउसुखभम ला ॥ गीव
 धविउगांगनात्रिआधआंग कविउधानसमाधी आगनिधीला ॥ नृयजग
 आतिमतिगिवकववगगति अउसवविसवहजन माहियूनला ॥ ८ ॥
 ॥ श्रीश्रीवीवन्दनालोरा ॥ मलाव ॥ नृयक ॥ रुवरुयरुजनि अउसवविनागि
 निजगजनयाविनि विउवगगाविनि ॥ मनसुखदायिनि विद्युगगमावि
 नि जयजयदायिनि जयवलकाविनि ॥ सुवगगनद्विनि मृगयतिवा
 दवितनिकन्दिनि ॥

विनि समवविहाविनि ॥ नृयजगआतिमति वलुवववगनति वागमला
 वउति गालवृयकगति ॥ ९ ॥ ॥ यूनवीश्ववीश्वतिनवावी ॥ यलु ॥ ॥
 दालिमदगनयांति अधवविद्रुमकांगी सुखकमदन यमन्नवदनयूनि
 मयांदकरुंगी ॥ दविहतादृहजगतमाता सकलसंमगमूनि श्रीमग
 वावियदावथदाता ॥ कुर्व ॥ नयनरुंदविलास मदनवागप्रगास विक
 यकमलशगलडयव रुमवयांतिविकास ॥ दानवदलनगील विहगस
 मवलीले रुगतगाविनि दूवितदाविनि विदूधयालनधीव ॥ नृयजगआ

तिगाव पुवयदमनलाव. जहनजलद यागकवाहपुआनकिक्कनहिरा
व ॥१०॥ ॥ दूर्जनवविष्कथन ॥ गोअ ॥ ववाली ॥ व ॥ संसावजलधि
खलवकलसमान. यवजिववधिवक्कवअवधान ॥ सिधिल सिधिलव
लमुखनाहिवाल अवसवताकियाक्ककवपकवल ॥ एमनवविगयसि
जीवमानकाथ कमनथाकिवाडाथहिलामहायाय ॥ नृयजगजागिक ह
रुवियदसाव. वागववाडीगावपुहियवताल ॥११॥ ॥ दूर्जन व
विष्कथनकवयागयकावनवावी ॥ ववाली ॥ व ॥ ममतामाहनिवावि

दरुकरत्तविवावि ॥ वमन सव ॥ अ॥ पुनूगमअवधान अहनिमि
धवपधयान ॥ गारुहकतविययाव विषमजलधिसंसाव ॥ नृयजगजा
मिपहागाव अवकुरुजहजगुराव ॥१२॥ ॥ गल्लकानकथन गोअ ॥
॥ नाठ ॥ यविमान ॥ क्कमिकिटजगदसिखसवअसवय भावमननिवृयन
वक्कपकवृय ॥ मायाजालरुन्ददसिक्किकुवनसूअ कदिपजगनक
कडानहिवृअ ॥ जागवसअअननयनज॥ अयाव यवसूखसमूदल ह
विलपलाय ॥ नृयजगजागिमनपहिअनूमान नाठवागगावधवितालय

विमान ॥१३॥ ॥ गच्छन्तः कथननवाची ॥ नाट ॥ था ॥ सकृद्विगतदह व
लपनहियाव नयननऊविनुडगगअध्याव ॥ एहविपुहविपुहनकथा
गवृटदधधिकयायकराग ॥ अर्थ ॥ विगलितदगनवधिवरुलकान
आनकरुवल्लिअआवप्रआन ॥ अयनूकजनजगकययविहस दिनदि
नवारलददयडदास ॥ नृयजगजातिकरुकिहाप्रतमांखिअवदु वर
रुहवियददहअंखि ॥१४॥ ॥ ॐ निसकगाला ४ समाका ४ ॥ ॥
॥ अथानकव गोअनुसावपदुगजतिमनुवज गीलिथान ॥ खडिगानायि

काकि ॥ कदावा ॥ खडिगि ॥ वचनवसयवयपुत्रामिपुकेपताहस ॥ अने
रुहदयवदनकवल्लदिनदिन आखिआमवदह ॥ कयटयासयसाव
यविहवि कवहसा मयआन धूमधवदवगावसुन्दव आवजाननआन ॥
नयनकीगलकां ॐ वञ्जह आनरुप्रअनुवागि दिवसखनप्रकाया ॥ एद
वगनवअनिखयडाजागि ॥ रुमवरुप्रमन धिवनकविअप्र क्खुलिदहमम
यास जगहिवसमन सुविधा ॐ अ ततहिकविअविलास ॥ एथमदूळलह
अडावप्रकपुव केप्रसमकप्रगाल नामद्रुतजतिगावजगजाति मल्लधवणी

भात्र जखन थखव रुममन रुवि रुवि यद यद जजाव ॥ सह दिन सु दिन स
व ॥ गखन सखी रु सिधा धलि अविध मिल गता रु डा रु वि ॥ सा सून नद यु
वूजन मिलि अगुरु ए आन व आ ए नयन श ग गले रुमन ॥ अक व गहि अरु
वष समा ए ॥ की गले वसन ससाव व कि हू अडा ड व व कता ए सव द ख
जा ए ग सह द रु ममल कल ग द खा ए ॥ क व जा ठि विन ति व मा डा व सम वि
ग समय विद्या वि सह व सह सव व व दन य रु जन विस वि अना वि ॥ नृप
अग जाति मल गा व ए गा वि नृ गुण मन ला ए लग नि रु ज सा हा ड नि अग

जनमृनिशुभा ॥ ४३ ॥ ॥ विवहिः मनायथ कथनं कावच ॥ धनाश्री ॥
 ॥ ॥ काठि अनङ्ग समसुन्दर सुन्दर ग्याममनादव ॥ छिठि रुविदखव सव
 ॥ कनक कल गल प्रजा प्रव जा प्रवत सु गुण गाडाव ॥ नयन कांज बल प्र सा
 ऊव सा ऊव रुवि स अवा ऊव ॥ हृदय हृदय ज कला डाव ला डाव अगि सुख
 या डाव ॥ नृप जग जाति मन लाव प्र लाव प्र प्र शुभ दयाव प्र ॥ ४४ ॥
 रुक्म युव म स्य धी विमय का लाव ॥ कानवा ॥ ॥ मातुरुवानी सब ग र हारी
 जा अवा लि हारी ॥ ॥ ॥ मन कमववन मूडावन हि लावत एहि सी सावका

रु मूठ कावत मूडाव कि मूडाव स अमनाम प्रगुह स अम विव श्रीति ऊ
 स गालि क मूदिनि स अ ॥ नृप जग जाति क रु आसन का रु क जनम जन
 मता रुव गुण गायक ववण कमल यु मूण वण रु प्रमाहि मूयन वा यि की
 मानया लह ॥ ४५ ॥ ॥ रुक्म स्य धी मय वा ध दमायन ॥ सावरी ॥
 ॥ मूमवी ॥ सकल मूसाव सावय दय क ऊ ता रुव मन हि विवा बल रु ऊ
 ता रु क व व स क व रु रुवानी रु ० क प्र हृदय ल गा डा लह ॥ गुण दाव मा
 हि प्र क डान हि जान रु दाव क युग विड दा सिन रु अकि रु क वाव रु क व

७३ समाप्ता. रुमनहि अयनसु आधिनह ॥ गारु कंठि आनकाक नहि सुम
म ७३ दीननरायडावानीह. रुवज अशत जालभाबजालह. सवण गगमा
हिजा नीह ॥ गारु ० कूबायिनिहम कुअसवक. ३३ अयन अवधावीह. कन
अयनाधय रुत अग आनहि. ससवह लह समावीह ॥ नृयज गजातिम
ल प्रहनव माव प्र. वलिव वण विनवावीह. सवसिधियाडा प्र रुगवति. अ
मात्रिसुमत्रिसुमत्रिमनसखीह ॥ ४२ ॥ ॥ था. गनास कानक धनमावा
यिक ॥ साहव ॥ था ॥ दिगदल अरुण कि वणय वगास. आवगिलाडावय

वगिवयास ॥ ववरुवानी गवण गाहावि. जननि कयाक वरुवरु यगावि ॥
॥ ४३ ॥ दिनद गलागी कववव रुवार्त. ममतामाह रुवममदमार्त ॥ यव
गिवव विमसु धाव समाव. अलियद सवसिउ रुद प्रयाव ॥ द्वाग कलाव
विदिगव सवद. वांद सुव जखल यवन करुद ॥ विदि आसन गुण अरुनि
लिमव. गगण विन्दु वस गानिक वदव ॥ नृयज गजाति प्रहाव सगाव. गुव
यव साधय वमल प्रयाव ॥ ३० ॥ ॥ गारु ३ तीत खगवति थिरु १२२०
लीक्षित हाय नोद्य. गुक यद सुव गुवुदिन माधव योर्ण मास्था. विरुयीली

श्रवविब्रविवाशी जगद्भूतिवीरो नाना रुवागुणगणमयी गीतयश्रुति
 कथं ॥ नयतु स्युगुणदाया यन्त्रि (ग) गुणद्वय (ग) यन्त्रा इह रुगवानयतु
 नमदायानमगुण ॥ विद्वानवह्निजानाति विद्वज्जनयविग्रमं नहि व
 न्धा विजानाति गुर्वेषु सवयदनां ॥ त्वज्ञानवान्यकलयामिदर्व किञ्चिद
 ताविरूपययामिदवि ॥ तोययित्वा धर्ममकीर्तिवया मातङ्गुयारिष्यविया
 लनीया ॥ ॐ नमो हवा आधिरा जग्रीमद्युधी जगद्भूतिर्मदवविब्रविता ना
 ना राया राववागतालवस समन्विता गीतयश्रुतिकाममाय ॥ निर्व ॥

नृ२

१ आसावनी ॥ २ ॥ रुवियदकटस्थटीका ॥ मद्य १ रुम २ र्वद ३ वन्दन ४ कुव
 ५ कष्ट ६ कष्ट ७ मन्मथ ८ गायारवादि ९ जल १० यम ११ उमव १२ सय्य १३
 कष्ट १४ मृग १५ हस्ती १६ ॐ नृ १७ अनूज १८ कष्ट १९ ॥ नट ॥ २ ॥ गमन
 दिग १ टीका ॥ गमनायमस्य दिकददि १ ॥ क ० मदिग वाययादिक २
 गस्या ३ यतिव्ययुद्धि ४ निल ५ स देग मदग ६ विवहिण्या दगामी दग
 अकदग ताडित्या दयतीत्यर्थ ७ ॥ गवत्कालस्य निर्मला रुवस्य गिवा रुमर्ण
 दत्त १४ ॥ वृक्षिणी वमण १ कष्ट २ स्यतनय ३ यशम ४ काम ५ ॐ नृ ६ ॥

मलयजयङ्गधनद्वयः ॥ सीताय सीतामयन्दुगस्य निष्कृयावकासस्य
मूल्यानिदगं तनदगं सखायलशतं तस्या दुर्गं द्विगुणं त्रिगुणं सखायं अत
एवलाकलाययावीणं तन्नामकंगवर्तगृहकं तत्समानं विषयुल्लामित्य
र्थः ॥ वायसः ४ काकस्य निष्कृयावकासः ॥ हविर्भूमवसुथाद्विनिः ४ गद्वसु
लाकः ॥ पुनरुक्तं नयिधीयत ॥ ॥ यदुक्तिया ॥ ३ ॥ अमि अमि अमि अमि
स्योका ॥ अमृते सुधा धनिः ४ गद्वः ४ ववृण्णालाकलाययानिद्विनिः ॥ यय
यतं तन्नामृगमवगद्वयनमित्यर्थः ॥ अर्द्धवार्ग्यामद्वयमितावागिभनसु

अर्द्धवार्ग्यामनिवृद्धस्य ववर्नः ॥ फला वावमनाद्वययद्वद्वा ममद्वययवि
दीयते तल्लयकयकनार्थः ॥ द्वितीयययय अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि
तीयं ववृण्णितिलीयं अर्द्धं तिवरुर्थः एवयद्वययुद्धययवद्वा ममद्वयय
विदीयते तल्लयर्थः ॥ कनयकावागल्यगद्वयुथमति युथमं अमि अमि अमि अमि
स्ययुथमाद्वयवकावः ॥ ययावायदानां सुनि अमि ववृण्ण अर्द्धं तिववृयावा
द्वितीयं द्वितीयमद्वयवकावः ॥ तनसुनि अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि
ववृण्णद्वयवर्णितः अर्द्धगद्वयवर्णितः अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि अमि

ननञ्निबृद्धं तिसिद्धं रुवति ननञ्निबृद्धं न मममनाडित्वावणीकृत्य
 गृहीतुमित्यर्थः । असखीत्यादिसुगमं ॥ वजनीति यवतीनविमम् वजनीति
 वसमथ वाग्युर्थयाम अन्नादिना ॥ रुवति ॥ रुथक ४ यद्व ४ । द्वितीयय
 क्वव वजनीति वसमथयदमा साववापयूनी तस्या अन्नादिना ॥ रुथर्थः ॥
 खण्डिताविप्रलम्बाय वासनाया रिसाविका । कलहान्नवितायेव सथेवा
 कथितायवा ॥ स्वाधीनरुहकायेव तथाथावितरुहका । सखागविप्रल
 म्बव ॥ रुथक्षोनायिका ४ स्मृता ४ ॥ ॥ विवकि ४ मुखदुर्गुनी प्रियथावा

धिकावसः ॥ यत्नसत्सङ्गमथर्थ गदरावचवादनं ॥ विवर्तनीलिखनीगद
 दसमीति गरावर्णं । गदक रावनावर्णा दसमीति मूर्च्छनागथा ॥ रुथक्षवि
 वदसमीति ग्राधय ४ यविकीरिता ४ ॥ ॥ आधोमङ्गनयावृवीनतिलकं
 नगाञ्जनवन्दनं नासाभीकिकहावयुष्यकववीमक्षाववन्तुयुव । दीप्यत्
 पुलक ४ रुमपावव ४ रुदावलीद्यष्टिका गाद्युलियवक ४ रुविगुवताष्ट
 क्षावका ४ वा ४ ॥ ॥ क्षीरं मङ्गनवसुणीयतिलकं गाद्युलियाविकीरक
 ॥ रुकपुलमृदिकसुमृकटयाद्योयवमन्त्रितो ॥ रुमखङ्गयटम्ववकटिद्व

त्रीविद्याविनीर्गमूर्खं तासुलंयवगीलमूरुमयुगा॥४॥पृष्ठावर्कथाठग ॥
॥ ॥पृष्ठावर्कथाठग ॥ ॥पृष्ठावर्कथाठग ॥ ॥पृष्ठावर्कथाठग ॥
वेतकधिगावसा॥४॥ ॥दधुकाकिलमद्यदक्षितिलवन्दमृगवाय
थमर्थवातिवनतथामलयउमद्याकृककथो।सिद्धदधुधवगिनीव
गिखवमा(र्गकथमन्ना(थ.रुसि।प्रष्टममयुवन्दवदयगयाविहवदवि॥
॥ ॥याकृवल्का॥४॥श्रीवालदृष्टकितव.मरुनामलारिगसुका॥४॥वशाव
ताविद्याखण्ड.कूटकृष्टिकलेद्विया॥४॥यतिनायकथसम्बन्धि.सहायविपूत

कृवा॥४॥साहसीदृष्टदायध.निर्दूत(प्रहसाद्विप॥४॥ ॥तथावनावद॥
शमामयिनवाल्॥४॥नश्रीनेकानकूटकृत।नवान्धवानवावाति.वृयसुकार्य
मन्नाथा ॥ ॥उगना ॥४॥दासा॥४॥वधिव॥४॥कृष्टी.श्रीवाल.सुविवादय॥
प्रमयानरिसम्बन्धा॥४॥सहाससाद्वि(ममता॥४॥ ॥निमूसाकी ॥ ॥
रदिनयाप्रधप्रहवर्गखनाम ॥ वलावली ॥ ॥ह्याली ॥ ॥रेववी ॥ ॥दगाख ॥
द्वितीयविगख ॥ ललित ॥ ॥ठाठि ॥ ॥धनाप्रीशार्वगाली ॥ ॥ ॥हतीयऊय
॥ ॥गुरुवी ॥ ॥क्रीणिकी ॥ ॥आसाववी ॥ ॥मन्नावी ॥ ॥ ॥वधुधद्विऊय ॥ ॥वाम

कवी ॥ यत्राली ॥ एगुनिनी ॥ ॥ वापियादथप्रहववाम ॥ श्री ॥ गोदी
 ॥ नाठ ॥ मालवगोज ॥ ॥ द्वितीयविवाम ॥ माव ॥ कामाद ॥ य० म० ३३
 वी ॥ यवपी ॥ ॥ हसीयसूफ ॥ यदुयेया ॥ सेन्धवी ॥ डादिनी ॥ ठाठका
 ॥ ॥ वदुर्थसूफ ॥ गान्धावी ॥ सादयी ॥ कावाव ॥ एगवथी ॥ ॥
 श्वरदिनवापिनअदप्रहवयावागयावलासय ॥ गुरुमनु ॥ ॥

अश्वमेध
 ASHA MEHED

353